Revised Syllabus **Annexure-B**

Kurukshetra University Kurukshetra
Scheme of Courses in Sanskrit for U.G Programme Subject Sanskrit
as per NEP 2020 (Multiple Entry-Exit, Internships and Choice Based Credit System)
to be implemented w.e.f the Session 2023-24
(in the Phased Manner)

Session: 2023-24	
Part A - Introduction	
Subject	Sanskrit
Semester	2nd
Name of the Course	Bachelor of Arts
Course Code	B23-SKT-201, श्रीमद्भगवद्गीता, स्वस्थवृत्तं छन्दशास्त्रं च
Course Type: (CC/MCC/MDC/CC-M/DSEC/VOC/DSE/PC/AEC/VAC)	CC-2/ MCC-3
Level of the course (As per Annexure-I	100-199
Pre-requisite for the course (if any)	----------
Course Learning Outcomes(CLO):	After completing this course, the learner will be able to: CLO-201-1 गीता भारतीय संस्कृति तथा ज्ञान का उत्कर्ष है। गीता को कर्म तथा ज्ञान के सम्यक् बोध के रूप में जाना जाता है । गीता के द्वितीय अध्याय को 'सांख्य-योग' के नाम से जाना जाता है। इस अध्याय में जीवन के मर्म को जानकर कर्म करने की प्रेरणा दी गई है। यह सभी मनुष्यों को जानना चाहिए । CLO-201-2 द्वितीय घटक में नीतिशतक के 51-100 श्लोकों को शामिल किया गया है । न्याय एवं नीति बोध जीवन को सरल बना देता है। भर्तृहरि ने मनुष्यों को शिक्षा देने का प्रयास किया है कि हमारा सामाजिक व्यवहार कैसे हो । यह सभी छात्रों को जानना चाहिए ।

	CLO-201-3 संस्कृत धातु रूपों के ज्ञान के अभाव में भाषा को नहीं समझा जा सकता । धातु प्रत्ययों का बोध इस घटक में दिया गया है। संस्कृत में धातुओं की संख्या दो हजार के आसपास है। अत: इनका बोध भाषा को सरल रूप में समझने में सहायक है। CLO-201-4 संस्कृत भाषा में साहित्य को लिखने की तीन विधियां है, पद्य, गद्य तथा दोनों का मिला हुआ स्वरूप । पद्यों में रचना के लिए छन्दों का ज्ञान आवश्यक है । कविता छंद के बिना नहीं हो सकती। अत: छात्रों को आरम्भि छंदो का ज्ञान इस घटक में दिया जाता है । छात्रों की रुचि कविता में हो ऐसा छंदों के ज्ञान से संभव है ।		
Credits 4	Theory + Tutorial	Practical	Total
	3+1	----------	4
Contact Hours	60	----------	60
Max. Marks: 100 **Internal Assessment Marks: 30** **End Term Exam Marks: 70**		**Time: 3 Hrs.**	

Part B- Contents of the Course

Instructions for Paper- Setter

प्रश्नपत्र-निर्माणकेलियेनिर्देश:-

1. प्रश्नपत्र में कुल पाँच (5) प्रश्न दिये जाएँ। प्रश्नपत्र के लिये कुल 70 अङ्क निर्धारित हैं। सभी प्रश्न समानाङ्क होंगे अर्थात् प्रत्येक प्रश्न चौदह (14) अङ्कों का होगा। प्रश्न-पत्र हल करने का समयतीन (3) घण्टे होगा।
2. ***प्रथमप्रश्न*** पाठ्यक्रम के चारों घटकों में निर्धारित विषयों के आधार पर बनाया जाए। यह प्रश्न अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत लघु उत्तर वाले विकल्परहित चार (4) प्रश्न पूछे जाएँ। प्रत्येक लघूत्तरात्मक प्रश्न साढे तीन (3.5) अङ्कों का होगा।
3. द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ तथा पञ्चम प्रश्न का निर्माण पाठ्यक्रम के क्रमश: प्रथम, द्वितीय, तृतीय तथा चतुर्थ घटक में निर्धारित विषय के आधार पर किया जाए। पाठ्यक्रम के प्रत्येक घटक से दो वैकल्पिक प्रश्न देकर परीक्षार्थी से प्रत्येक घटक से एक एक प्रश्न का उत्तर लिखने को कहा जाए।

Unit	Topics	Contact Hours
I	श्रीमद्भगवद्गीता, द्वितीय अध्याय– 14 अंक (क) दो श्लोकों का सरलार्थ। (2×5=10 अंक) (ख) एक आलोचनात्मक प्रश्न। (4 अंक)	15

II	चरकसंहिता स्वस्थवृत्तम् सूत्रस्थान 5/71–104, 7/26–35 8/**17–21, 23–29** 14 अंक (क) दो पंक्तियों की व्याख्या- (2×5=10 अंक) (ख) एक निबन्धात्मक प्रश्न (4 अंक)	15
III	संस्कृत–व्याकरण : 14 अंक (क) शब्द–रूप : मति, नदी, धेनु, मातृ, फल, युष्मद्, सर्व, एतद्, द्वि, त्रि। ('सर्व' से लेकर 'त्रि' तक तीनों लिङ्गों में)। (07 अंक) (ख)धातु–रूप : पठ्, नश्, नृत्, प्रच्छ्, रुच्, हृ, भज्, पच्, लभ् सेव्। (केवल लट्, लोट्, लङ्, विधिलिङ्, लृट् लकारों में) (07 अंक)	15
IV	(क) छन्दः -अनुष्टुप्, आर्या, इन्द्रवज्रा, उपेन्द्रवज्रा, वंशस्थ, शिखरिणी, मन्दाक्रान्ता, वसन्ततिलका, शार्दूलविक्रीडित। 07 अंक (ख) हिन्दी से संस्कृत में अनुवाद। 07अंक	15

Suggested Evaluation Methods

Internal Assessment: 30 Marks ➢ **Theory** • Class Participation: 5 Marks • Seminar/presentation/assignment/quiz/class test etc.: 5+5=10 Marks • Mid-Term Exam: 15 Marks	**End Term Examination:** 70 Marks

Part C-Learning Resources

Recommended Books/e-resources/LMS:

1 श्रीमद्भगवद्गीता , गीताप्रेस गोरखपुर
2 चरक संहिता, व्याख्याकार : आचार्य विद्याधर शुक्ल, चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, दिल्ली
3 रचनानुवादकौमुदी – कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी ।